दिव्य प्रकाश सिन्हा

श्री दिव्य प्रकाश सिन्हा पटना विश्वविद्यालय से भौतिकशास्त्र में स्नातक हैं। एक राष्ट्रीयकृत बैंक में 'प्रोबेशनरी ऑफीसर' के रूप में 2 वर्ष के अनुभवके बाद उन्होंने वर्ष 1979 में भारतीय पुलिस सेवा में अपनी सेवाएँ आरंभ कीं।

उन्होंने त्रिपुरा राज्य में आईपीएस के प्रारंभिक वर्षों में जिला पुलिस अधीक्षक और पुलिस अधीक्षक (सी आई डी) जैसे विभिन्न पदों में अपनी सेवाएँ दीं। वर्ष 1987 में केंद्र सरकार की सेवाओं में शामिल होते हुए उन्होंने इंटेलिजेंस ब्यूरो में लगभग 28 वर्ष तक अपनी सेवाएँ दीं। अपने इस सेवाकाल के दौरान उन्होंने विदेश मंत्रालय में कार्य किया और वे श्रीलंका में एक राजनयिक के कार्यभार पर तैनात किये गये। उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र हैं -सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी अभियान। उन्हें देश में बड़ी संख्या में आतंकी मॉड्यूल तैयार करने का श्रेय प्राप्त है और जिससे आतंकवादियों को बेअसर किया गया और आम लोगों की जान बचाई गई। आतंकवाद निरोध के क्षेत्र में उनके योगदान से देश का प्रत्येक राज्य परिचित है। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद के विभिन्न पहलुओं पर शोधपरक आलेख भी प्रस्तुत किए हैं। अंत में, उन्हें कैबिनेट सचिवालय में सचिव (सुरक्षा) के रूप में तैनात किया गया, जहाँ से वे वर्ष 2015 में सेवानिवृत्त हुए। उन्हें सराहनीय सेवाओं के लिए भारतीय पुलिस पदक और अपनी विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक प्राप्त हैं।

सेवानिवृत्ति के बाद, उन्हें फरवरी 2016 में प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री और लोकसभा विपक्ष के नेता से युक्त एक समिति द्वारा केंद्रीय सूचना आयुक्त (सीआईसी) के वैधानिक पद के लिए चुना गया था। उन्होंने लगभग 5 वर्षों तक सीआईसी का पद संभाला, जो सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता और ईमानदारी को बढ़ावा देने के लिए आरटीआई अधिनियम 2005 से अपनी शक्ति प्राप्त करता है। सीआईसी के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने जहाजरानी मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय (थल सेना, नौसेना, वायु सेना, रक्षा उत्पादन आदि), नागरिक उड्डयन, डीओपीटी, भूतल परिवहन आदि क्षेत्रों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिया।

भारत सरकार में 4 दशकों से भी अधिक का उनका कैरियर राष्ट्रीय सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र से निपटने का एक दुर्लभ मिश्रण है और आम आदमी के लिए सूचना के अधिकार की अपील पर निर्णय लेकर पारदर्शिता के संरक्षक के रूप में भी कार्य करता है।

वर्ष 2022 में उन्होंने हार्पर कॉलिन्स द्वारा प्रकाशित एक बेस्ट सेलर फिक्शन "ऑपरेशन ट्रोजन हॉर्स" का सह-लेखन भी किया है। यह सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और उसी के लिए वेब सीरीज़ के निर्माण अधिकार एक हिंदी फिल्म प्रोडक्शन हाउस द्वारा लिया गया है।